जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 01 जुलाई 2020

जामिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डिपार्टमेंट ऑफ़ कंप्यूटर साइंस ने 30 जून, 2020 को 'रिसेंट टेक्नालजीज़ इन कंप्यूटर साइंस' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर इसमें चर्चा की गई।

संगोष्ठी की चर्चाएं उभरती प्रौद्योगिकियों, उनके विकास और उनके विभिन्न इस्तेमाल पर केंद्रित रही।

मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) प्रौद्योगिकी का भविष्य है। यह वह मुख्य बिन्दु है जो आज अधिकांश तकनीकी अनुप्रयोगों को चलाता है। हालाँकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत सही मायनों में तब ही हासिल होती है जब इसे बड़े डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स जैसी तकनीकों के साथ प्रयोग किया जाता है। इसके चलते कई ऐसे अनुप्रयोग, जो इंसान के लिए अकल्पनीय थे, लेकिन अब वे आज के युग की हक़ीक़त बन गए हैं। इस तकनीक ने, स्मार्ट शहरों से लेकर स्मार्ट विनिर्माण तक, इंसान के व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को नयी शक्ल दी है।

जामिया के कंप्यूटर विज्ञान विभाग ने, टेक्नालजी में आए इस आमूल-चूल बदलाव को मान्यता देने के लिए इस इस संगोष्ठी का आयोजन किया।

संगोष्ठी का उद्घाटन भाषण प्राकृतिक विज्ञान फैकल्टी की डीन, प्रोफेसर (डॉ) सीमि फरहत बशीर और कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रमुख, प्रो एस एम के क़ादरी ने दिया।

इस आॅनलाइन संगोष्ठी के चार तकनीकी सत्रों में, यूनिवर्सिटी आॅफ मेलबर्न के क्लाउड्स लैब के निदेशक और मंजरासाफ्ट, ऑस्ट्रेलिया के सीईओ राजकुमार बुय्या, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, टेक्सास विश्वविद्यालय, डलास, यूएसए के प्रो लतीफ़ुर खान, विनोद शर्मा (कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय) और प्रौद्योगिकी विभाग, प्रबंधन और

अर्थशास्त्र, तकनीकी विश्वविद्यालय डेनमार्क के डॉ शीफेंग लियू ने मुख्य भाषण दिए। इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी में दुनिया भर के विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के बारे में गहरी जानकारी दी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक